

प्रेषक,

खोहना स्नाल,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में

जिलाधिकारी,
पौड़ी गढ़वाल।

राजस्व विभाग

देहरादून: दिनांक: 18 जनवरी, 2006

विषय— वित्तीय वर्ष 2005-06 में जनपद पौड़ी की तहसील कोटद्वार के अनावासीय भवनों के निर्माण हेतु धनराशि की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-183/कैम्प/9-10न30 दिनांक 24 जुलाई, 2004 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि तहसील कोटद्वार के अनावासीय भवनों के निर्माण हेतु उपलब्ध कराये गये आगणन रु० 109.74 लाख का टी०ए०सी० द्वारा परीक्षणोपरान्त औचित्यपूर्ण पाये गये आगणन रु० 85.30 लाख पर प्रसारनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करती हुये इतनी ही धनराशि को वर्तमान वित्तीय वर्ष के लिये व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

1— आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अनियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को जो दर शिफ्टपूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं है अथवा बाजार भाव से ली गई हो, को स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अनियन्ता का अनुमोदन आवश्यक है।

2— कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राथमिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राथमिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाये।

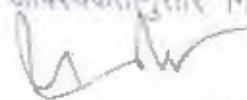
3— कार्य पर उतना ही व्यय किया जाये जितना कि स्वीकृत नाम है, स्वीकृत नाम से अधिक व्यय कदापि न किया जाये।

4— एक नुस्त प्राधिकार को कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।

5— कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि के मध्य गजर रखते एवं संकेत निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें।

6— स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31-3-2006 तक पूर्ण उपभोग करके कार्य की वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण व उपयोशिता प्रमाण पत्र शासन को प्रस्तुत कर दिया जायेगा। उक्त विवरण व धनराशि के पूर्ण उपभोग के बाद ही आगामी वित्त अवमुक्त की जायेगी।

7— कार्य कराने से पूर्व स्थल का भली-भाँति निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ता के साथ अवश्य करा ले। निरीक्षण के पश्चात स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाये।



.....(2)

- 8- कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता हेतु सम्बन्धित निर्माण एजेंसी पूर्ण रूप से उत्तरदायी मानी जायेगी।
- 9- आगमन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाये, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाये।
- 10- निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाये तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को प्रयोग में लाया जाये।
- 11- भवन को निर्माण में भूकम्पविरोधी तकनीकी का पूर्णतः समावेश किया जायेगा।
- 12- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2005-06 के आव-व्ययक की अनुदान संख्या-8 लेखाशीर्षक-4059-लोक निर्माण कार्य पर पूंजीगत परिव्यय-60-अन्य भवन-आयोजनागत-051-निर्माण-01-केंद्रीय आयोजनागत/केंद्र द्वारा पुरोनिश्चानित योजनाएं-0103-तहसीलों के अनावासीय भवनों का निर्माण-24-वृहद निर्माण कार्य को नामें डाला जायेगा।
- 13- यह आदेश वित्त विभाग के असासकीय संख्या-118/XXVII(5)/2005 दिनांक 30 दिसम्बर, 2005 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

गवदीय

(रोहन लाल)
अपर सचिव।

संख्या एवं तयदिनांक।

प्रतिसिपि निम्नलिखित को सूधनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

- 1- महालेखाकार, उत्तरांचल, देहरादून।
- 2- वरिष्ठ कौषाधिकारी, पौड़ी गढ़वाल।
- 3- निजी सचिव, मुख्यमंत्री।
- 4- अपर सचिव, वित्त बजट अनुभाग, उत्तरांचल शासन।
- 5- अपर सचिव, नियोजना विभाग, उत्तरांचल शासन।
- 6- वित्त अनुभाग-3
- 7- अपर परियोजना प्रबन्धक, उ०प्र०राजकीय निर्माण निगम लि० इकाई-2 श्रीनगर गढ़वाल।
- 8- वरिष्ठ तकनीकी निदेशक, एन०आई०सी०, उत्तरांचल।
- 9- माल फाईल।

आज्ञा से,
(रोहन लाल)
अपर सचिव।

✓